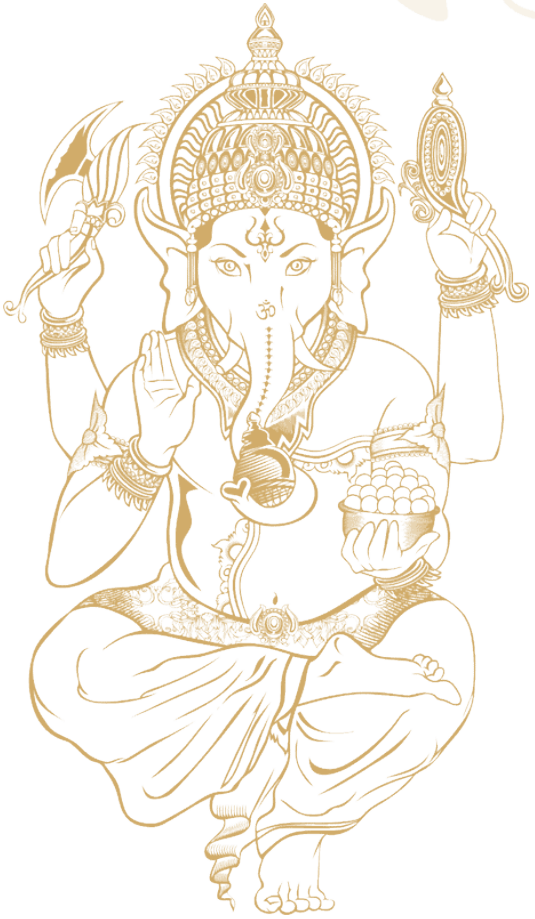

Sandeep

05 Apr 1985

08:44 PM

Hoshiarpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121887804

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**05/04/1985**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**20:44:00 घंटे**
इष्ट	36:23:59 घटी
स्थान	**Hoshiarpur**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:30:00 उत्तर
रेखांश	75:59:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:26:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	20:17:56 घंटे
वेलान्तर	-00:02:45 घंटे
साम्पातिक काल	09:13:24 घंटे
सूर्योदय	06:10:24 घंटे
सूर्यास्त	18:47:47 घंटे
दिनमान	12:37:24 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	22:07:55 मीन
लग्न के अंश	17:33:06 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**चित्रा - 1**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	पे-पेशवा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	17:33:06	302:47:25	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	---
सूर्य			मीन	22:07:55	00:59:02	रेवती	2	27	गुरु	बुध	सूर्य	मित्र राशि
चंद्र			कन्या	24:19:43	15:15:32	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	राहु	मित्र राशि
मंगल			मेष	21:45:30	00:42:39	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	स्वराशि
बुध	व	अ	मीन	18:27:26	00:48:07	रेवती	1	27	गुरु	बुध	बुध	नीच राशि
गुरु			मक	18:03:37	00:09:39	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	नीच राशि
शुक्र	व		मीन	19:21:31	00:37:31	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि	व		वृश्चि	03:47:13	00:02:45	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	शत्रु राशि
राहु	व		मेष	24:50:10	00:03:02	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	24:50:10	00:03:02	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	बुध	सम राशि
हर्ष	व		वृश्चि	24:15:27	00:00:42	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
नेप	व		धनु	09:58:10	00:00:01	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	---
प्लूटो	व		तुला	10:12:35	00:01:35	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			कर्क	22:14:24	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:50

लग्न-चलित

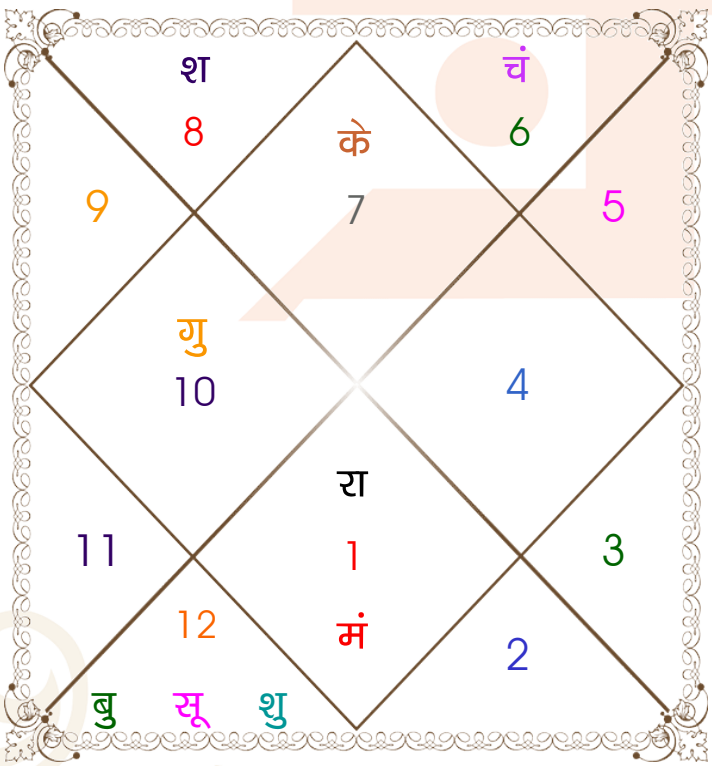

चन्द्र कुंडली

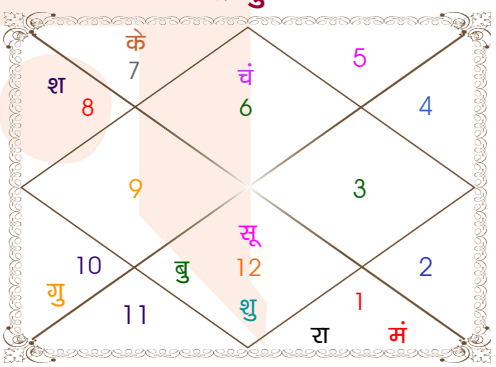

नवमांश कुंडली

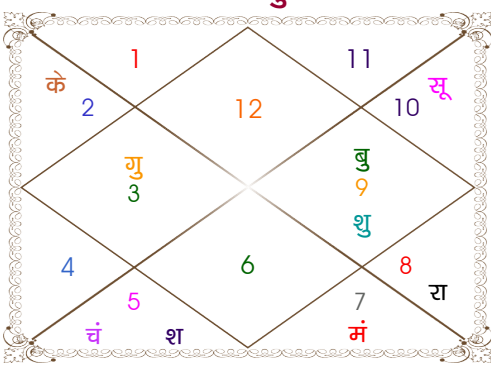

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 5 मास 22 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
05/04/1985		27/09/1991		27/09/2009		27/09/2025		26/09/2044	
27/09/1991		27/09/2009		27/09/2025		26/09/2044		27/09/2061	
	05/04/1985	राहु	09/06/1994	गुरु	15/11/2011	शनि	30/09/2028	बुध	23/02/2047
राहु	13/03/1986	गुरु	02/11/1996	शनि	28/05/2014	बुध	10/06/2031	केतु	20/02/2048
गुरु	17/02/1987	शनि	09/09/1999	बुध	02/09/2016	केतु	18/07/2032	शुक्र	21/12/2050
शनि	28/03/1988	बुध	28/03/2002	केतु	09/08/2017	शुक्र	18/09/2035	सूर्य	28/10/2051
बुध	25/03/1989	केतु	16/04/2003	शुक्र	09/04/2020	सूर्य	30/08/2036	चंद्र	28/03/2053
केतु	21/08/1989	शुक्र	16/04/2006	सूर्य	26/01/2021	चंद्र	31/03/2038	मंगल	25/03/2054
शुक्र	21/10/1990	सूर्य	10/03/2007	चंद्र	28/05/2022	मंगल	10/05/2039	राहु	12/10/2056
सूर्य	26/02/1991	चंद्र	08/09/2008	मंगल	04/05/2023	राहु	16/03/2042	गुरु	18/01/2059
चंद्र	27/09/1991	मंगल	27/09/2009	राहु	27/09/2025	गुरु	26/09/2044	शनि	27/09/2061

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
27/09/2061		26/09/2068		26/09/2088		27/09/2094		27/09/2104	
26/09/2068		26/09/2088		27/09/2094		27/09/2104		00/00/0000	
केतु	23/02/2062	शुक्र	27/01/2072	सूर्य	14/01/2089	चंद्र	28/07/2095	मंगल	24/02/2105
शुक्र	25/04/2063	सूर्य	26/01/2073	चंद्र	16/07/2089	मंगल	26/02/2096	राहु	06/04/2105
सूर्य	31/08/2063	चंद्र	27/09/2074	मंगल	21/11/2089	राहु	27/08/2097		00/00/0000
चंद्र	31/03/2064	मंगल	27/11/2075	राहु	15/10/2090	गुरु	27/12/2098		00/00/0000
मंगल	27/08/2064	राहु	27/11/2078	गुरु	03/08/2091	शनि	29/07/2100		00/00/0000
राहु	15/09/2065	गुरु	28/07/2081	शनि	15/07/2092	बुध	28/12/2101		00/00/0000
गुरु	21/08/2066	शनि	26/09/2084	बुध	22/05/2093	केतु	29/07/2102		00/00/0000
शनि	30/09/2067	बुध	28/07/2087	केतु	27/09/2093	शुक्र	29/03/2104		00/00/0000
बुध	26/09/2068	केतु	26/09/2088	शुक्र	27/09/2094	सूर्य	27/09/2104		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 5 मा 22 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगे। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।